18. कहानी-लेखन

कहानी एक ऐसी विधा है जो बच्चे, बड़े-बूढ़े सभी के मन को भाती है। कहानी कहना-सुनना एक रोचक गतिविधि के साथ-साथ बच्चों की मानसिक और काल्पनिक क्षमता का विकास करने में भी सहायक सिद्ध होती है।

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका कहानी के संबंध में बात करते हुए बच्चों से पूछें, क्या उन्हें घर में कोई कहानी सुनाता है, उन्हें कौन-कौन सी कहानी याद है या अच्छी लगती है अथवा डरावनी लगती है आदि बातचीत द्वारा पाठ की ओर बच्चों का ध्यान लाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दी चित्राधारित कहानी पर पहले बातचीत करें, फिर कहानी पढ़वाएँ। उन्हें कहानी कैसी लगी यह भी जानें।
- ❖ कहानी का और क्या अंत हो सकता था। यह बच्चों से जानने का प्रयास करें। बच्चे अपनी कल्पना या सोच से कहानी बुनने का प्रयास करेंगे। बच्चों के विचारों को सुनें और उन्हें प्रोत्साहित भी करते रहें।
- ❖ कहानी की शिक्षा के बारे में भी चर्चा करें।
- ❖ कहानी कहना (Story telling) गतिविधि के द्वारा बच्चों को हाव-भाव के साथ कोई कहानी सुनाने को कहा जा सकता है।
- ❖ अभ्यास के लिए दी गई कहानियों के चित्रों पर बातचीत करते हुए कहानी जानने का प्रयास करें, फिर उसे लिखने को कहें।
- ❖ सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा पाठ में रुचि ले रहा है।